Title: Need to compensate Shri Ruplal, a prisoner of war and look into the matter of Indian prisoners jailed in various parts of Pakistan.

डा. विज्य कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोद्य, मैं पाकि्स्तान की जेल से 26 साल के बाद छूटकर आने वाले श्री रूप लाल का गंभीर मामला सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। मैं उस्से मिला था, उसने मुझे विवरण दिये हैं कि पाकि्स्तान की जेलों में 20-20, 30-30 और 35-35 सालों से भारतीय कैद हैं। उनके साथ वहां अमान्वीय व्यवहार किया जा रहा है, उन्हें अमानुकि यातनाएं दी जा रही हैं। यह एक ऐसा विाय है जिसे इस सदन और सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। हमने 1971 की लड़ाई के बाद पाकि्स्तान के 91 हजार कैदी छोड़ दिये थे और जो कैदी हमारे पास थे उन्हें जिनेवा सिद्धांतों के अनुसार सारी सुविधाएं दी थीं।

परंतु जो उस सम्य के युद्धबंदी पाकि्स्तान में हैं, उनको जिस तरीके से यातनाएं दी गईं, उसके कारण उनमें से अधिकांश पागल हो गए हैं और इस सम्य पागलखाने में चले गए हैं। उनको कोई सुविधा नहीं दी जाती है बल्कि टॉर्चर किया जाता है। श्री रूपलाल ने बताया कि वहां हर भारतीय कैदी को टॉर्चर करने के बाद उसको अपना धर्म परिवर्तन करने के लिए मजबूर किया जाता है। अगर वह इस बात को न माने तो उसको और ज्यादा यातनाएं दी जाती हैं। अभी पांच-छः महीने पहले सुख्वन्त सिंह और कुछ कैदी सात साल बाद छूटकर आए थे। उन्होंने बताया 43 कैदी केवल कोट लखपतराय में हैं। उनमें 1971-72 के युद्धबंदी भी हैं और उसके अलावा भी हैं। उनमें से एक कैदी ने जब साबुन मांगा तो उसको पीट-पीटकर मार डाला गया और उसकी हत्या कर दी गई। कोई प्रश्न नहीं उठाया गया। मैं कहना चाहता हूं कि सरकार अंतर्राट्रीय मंचों पर, यू.एन.ओ. में और दूसरी जगह सवाल उठाए तथा जो मानवाधिकारवादी हैं, उनके सामने यह सवाल उठाए। वहां भारतीय कैदियों को उनके धार्मिक ग्रंथ भी नहीं मिलते हैं और इसलिए सरकार उनकी रक्षा पर भी विचार करे। श्री रूपलाल की क्षतिपूर्ति पर भी सरकार को विचार करना चाहिए।

श्री रामानन्द सिंह : हम लोगों को मौका नहीं मिलता है। हमारे यहां पांच लोग गांव में बंदूक लेकर गए, मिट्टी का तेल लेकर घर जला दिये।

हमारा नाम तेरह नम्बर पर था लेकिन आप हमें न बुलाकर दूसरों को बुलाये जा रहे हैं। स्पीकर साहब ने कहा था कि हमें भी बोलने का चांस मिलेगा।

MR. DEPUTY-SPEAKER: I am fixing the priority here. There will be no discrimination against the new Members. I am impartial. आपको भी बोलने का चांस मिलेगा। लिस्ट में आपका नाम है। यदि इस तरह से होगा तो और ज्यादा विलंब होगा।